

205

उत्तराखण्ड शासन,
गृह अनुभाग-6,
संख्या-1058/बीस-6/01(07)2010
देहरादून: दिनांक-08 अगस्त, 2016

अधिसूचना संख्या- 1058/बीस-6/01(07)2010, दिनांक 08 अगस्त, 2016 को प्रख्यापित उत्तराखण्ड विधि विज्ञान प्रयोगशाला अधीनस्थ सेवा नियमावली-2016 की प्रति निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. प्रमुख सचिव गृह विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
2. अनु सचिव, कार्मिक विभाग(नियमावली प्रकोष्ठ), उत्तराखण्ड शासन।
3. पुलिस महानिदेशक, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. सचिव, अधीनस्थ चयन आयोग देहरादून।
5. निदेशक, विधि विज्ञान प्रयोगशाला, उत्तराखण्ड, देहरादून।
6. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून
7. निदेशक, मुद्रण एवं लेखन सामग्री रुड़की(हरिद्वार) को अधिसूचना हिन्दी एवं अंग्रेजी संस्करण की प्रतियां संलग्न करते हुए इस अनुरोध के साथ प्रेषित कि कृपया अधिसूचना को असाधारण गजट में मुद्रित कराकर इसकी 150-150 प्रतियां(हिन्दी एवं अंग्रेजी संस्करण में) गृह अनुभाग-6, उत्तराखण्ड शासन को यथाशीघ्र उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

संलग्नक-यथोक्त।

आज्ञा से,

(डॉ० रंजीत कुमार सिन्हा)
अपर सचिव।

उत्तराखण्ड शासन
गृह अनुभाग-6
संख्या-1058 / बीस-6/01(07)2010
देहरादून: दिनांक-28 अगस्त, 2016

अधिसूचना

विविध

राज्यपाल 'भारत के संविधान' के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग तथा इस विषय में विद्यमान समस्त नियमों और आदेशों का अधिकरण करते हुए उत्तराखण्ड राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला अधीनस्थ सेवा में नियुक्त व्यक्तियों की भर्ती तथा सेवा की शर्तों को विनियमित करने की दृष्टि से निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं:-

उत्तराखण्ड विधि विज्ञान प्रयोगशाला अधीनस्थ सेवा नियमावली-2016

भाग-1 सामान्य

- | | |
|----------------------------------|---|
| संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ | 1. 1. इस नियमावली का संक्षिप्त नाम उत्तराखण्ड विधि विज्ञान प्रयोगशाला अधीनस्थ सेवा नियमावली, 2016 है।
2. यह तुरन्त प्रवृत्त होगी। |
| सेवा की प्राप्ति | 2. उत्तराखण्ड विधि विज्ञान प्रयोगशाला अधीनस्थ सेवा एक ऐसी सेवा है, जिसमें समूह 'ग' तथा 'घ' के पद सम्मिलित हैं। |
| परिभाषाएं | 3. जब तक कि विषय या संदर्भ में कोई बात प्रतिकूल न हो, इस नियमावली में-
(क) 'नियुक्ति प्राधिकारी' से पुलिस उप महानिरीक्षक/निदेशक, विधि विज्ञान प्रयोगशाला, उत्तराखण्ड अभिप्रेत है।
(ख) 'भारत का नागरिक' से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है, जो "भारत का संविधान" के भाग-दो के अधीन भारत का नागरिक हो या भारत का नागरिक समझा जाता है;
(ग) 'संविधान' से 'भारत का संविधान' अभिप्रेत है;
(घ) 'आयोग' से 'उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग' अभिप्रेत हैं।
(ङ) 'सरकार' से उत्तराखण्ड की राज्य सरकार अभिप्रेत है;
(च) 'राज्यपाल' से उत्तराखण्ड का राज्यपाल अभिप्रेत है;
(छ) 'सेवा का सदस्य' से इस नियमावली के प्रारम्भ से पूर्व प्रवृत्त इस नियमावली या आदेशों के अधीन स्थायी रूप से मौलिक पद पर नियुक्त व्यक्ति अभिप्रेत है;
(ज) 'सेवा' से उत्तराखण्ड राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला अधीनस्थ सेवा अभिप्रेत है;
(झ) 'मौलिक नियुक्ति' से सेवा के संवर्ग में किसी पद पर ऐसी नियुक्ति अभिप्रेत है, जो तदर्थ नियुक्ति न हो और नियमानुसार चयन के पश्चात की गई हो और यदि कोई नियम न हो तो सरकार द्वारा जारी किये गये कार्यपालक अनुदेशों द्वारा तत्समय विहित प्रक्रिया के अनुसार चयन के पश्चात की गई हो; तथा
(ञ) 'भर्ती का वर्ष' से कलेण्डर वर्ष के जुलाई के प्रथम दिवस से आरम्भ होने वाली बारह मास की अवधि अभिप्रेत है। |



भाग 2-संवर्ग

सेवा संवर्ग

4. (1) सेवा में कर्मचारियों/अधिकारियों तथा उसमें प्रत्येक श्रेणी के पदों की संख्या उतनी होगी जो समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित की जाये।
- (2) सेवा में कर्मचारियों/अधिकारियों तथा उसमें प्रत्येक श्रेणी के पदों की संख्या जब तक उपधारा (1) के अधीन पारित आदेशों द्वारा परिवर्तन न किया जाये, उतनी होगी जो **परिशिष्ट-1** में दी गई है; परन्तु उपबन्ध यह है कि—
- (i) नियुक्ति प्राधिकारी किसी रिक्त पद को खाली छोड़ सकेंगे अथवा राज्यपाल किसी पद को इस प्रकार प्रास्थगित कर सकेंगे, कि कोई व्यक्ति प्रतिपूर्ति का हकदार नहीं होगा।
- (ii) राज्यपाल ऐसे स्थाई अथवा अस्थायी पद सृजित कर सकते हैं जैसा वे उचित समझें।

भाग 3-भर्ती

भर्ती का स्रोत

5. सेवा में विभिन्न श्रेणियों के पदों पर भर्ती निम्नलिखित स्रोतों से की जायेगी:—
- (1) **प्रधान सहायक**— मौलिक रूप से नियुक्त ऐसे वरिष्ठ सहायक, जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में न्यूनतम 03 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो तथा अधीनस्थ पदों पर कम से कम 10 वर्ष की सेवा पूर्ण की हो, में से अनुपयुक्त को अस्वीकार करते हुए ज्येष्ठता के आधार पर विभागीय चयन समिति के माध्यम से पदोन्नति द्वारा। (उपलब्ध न होने पर समकक्ष पद या वेतनमान पर पुलिस विभाग या राज्य सरकार या केन्द्र सरकार के अधीन कार्यरत कर्मचारियों में से प्रतिनियुक्ति या सेवा स्थानान्तरण द्वारा।)
- (2) **वरिष्ठ सहायक**— मौलिक रूप से नियुक्त ऐसे कनिष्ठ सहायक/कम्प्यूटर ऑपरेटर, जिन्होंने भर्ती वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में न्यूनतम 06 वर्ष की सेवा पूर्ण की हो, में से अनुपयुक्त को अस्वीकार करते हुए ज्येष्ठता के आधार पर विभागीय चयन समिति के माध्यम से पदोन्नति द्वारा। (उपलब्ध न होने पर समकक्ष पद या वेतनमान पर पुलिस विभाग या राज्य सरकार या केन्द्र सरकार के अधीन कार्यरत कर्मचारियों में से प्रतिनियुक्ति या सेवा स्थानान्तरण द्वारा।)
- (3) **वैयक्तिक सहायक**— शत प्रतिशत पदों पर सीधी भर्ती आयोग के माध्यम से।
- (4) **कनिष्ठ सहायक**—(1)प्रतियोगी परीक्षा के परिणामस्वरूप सीधी भर्ती द्वारा—75 प्रतिशत।

(2)संबंधित अधीनस्थ कार्यालय में लिपिक संवर्ग के निम्नतम श्रेणी के कुल 25 प्रतिशत रिक्तियां नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा, समय-समय पर जारी किये गये सरकारी आदेशों के अनुसार उस कार्यालय के समूह 'घ' के ऐसे कर्मचारियों में से, 15 प्रतिशत जो हाईस्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण हो तथा 10 प्रतिशत जो इण्टरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण हो, पदोन्नति द्वारा भरी जायेंगी,

परन्तु यह कि हाईस्कूल उत्तीर्ण श्रेणी के लिए चिन्हित पदों के सापेक्ष पर्याप्त अभ्यर्थी उपलब्ध न होने की दशा में उन पदों को उच्चतर परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों में से पदोन्नति द्वारा भरा जा सकेगा।

परन्तु यह कि चयन वर्ष 2012-13 से 2015-16 तक के लिए अधीनस्थ कार्यालय में लिपिक वर्गीय निम्नतम श्रेणी के कुल पदों के 45 प्रतिशत तक की रिक्तियों को समूह 'घ' के ऐसे कर्मचारियों में से 25 प्रतिशत, जो हाईस्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण हों तथा 20 प्रतिशत,

जो इण्टरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण हों पदोन्नति द्वारा निर्धारित चयन प्रक्रिया के द्वारा। परन्तु हाईस्कूल उत्तीर्ण के लिए चिन्हित पदों के सापेक्ष पर्याप्त अभ्यर्थी उपलब्ध न होने की दशा में उन पदों को उच्चतर परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों में से पदोन्नति द्वारा भरा जा सकेगा।

(5) **कम्प्यूटर ऑपरेटर**— शत प्रतिशत पदों पर सीधी भर्ती अधीनस्थ चयन सेवा आयोग के माध्यम से।

आरक्षण

6. उत्तराखण्ड राज्य की अनुसूचित जातियों, जनजातियों, अन्य पिछड़े वर्ग तथा अन्य श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षण भर्ती के समय प्रवृत्त सरकार के आदेशों के अनुसार किया जायेगा।

भाग 4—अर्हता

राष्ट्रीयता

7. सेवा में किसी पद पर सीधी भर्ती के लिए अभ्यर्थी—

(क) भारत का नागरिक हो, या

(ख) तिब्बती शरणार्थी, जो भारत में स्थाई रूप से बसने के आशय से 01 जनवरी, 1962 से पहले भारत आया हो, होना चाहिए, या

(ग) भारतीय मूल का व्यक्ति जिसने भारत में स्थायी रूप से बसने के आशय से पाकिस्तान, बर्मा, लंका तथा केन्या, युगाण्डा और संयुक्त तांजानिया गणराज्य (पूर्ववर्ती तांगानिका और जंजीबार) के पूर्वी अफ्रीकी देशों में प्रव्रजन किया हो;

परन्तु, उक्त श्रेणी (ख) और (ग) से सम्बन्धित अभ्यर्थी वह व्यक्ति होगा जिसके पक्ष में राज्य सरकार द्वारा पात्रता प्रमाण-पत्र जारी किया गया हो। परन्तु यह और कि श्रेणी (ख) से सम्बन्धित अभ्यर्थी के लिए भी उप महानिरीक्षक अभिसूचना शाखा, उत्तराखण्ड द्वारा प्रदत्त पात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त करना आवश्यक होगा परन्तु यह भी कि यदि अभ्यर्थी उक्त श्रेणी (ग) से सम्बन्धित है तो पात्रता का प्रमाण-पत्र एक वर्ष से अधिक अवधि के लिए जारी नहीं किया जायेगा और ऐसे अभ्यर्थी को एक वर्ष से अधिक अवधि के बाद उसके द्वारा भारत की नागरिकता प्राप्त करने पर सेवा में रखा जा सकेगा।

टिप्पणी— जिस अभ्यर्थी के मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, किन्तु उसे न तो जारी किया गया हो न ही नामंजूर किया गया हो, उसे परीक्षा या साक्षात्कार में प्रवेश दिया जा सकता है और उसे अनन्तिम रूप से नियुक्त भी किया जा सकता है। किन्तु शर्त यह है कि उसके द्वारा आवश्यक प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया जाय या उसके पक्ष में जारी कर दिया जाय।

शैक्षणिक अर्हता

8. सेवा में विभिन्न पदों की नियुक्ति के लिए निम्नलिखित अर्हताएँ होनी चाहिए:—

क्र० पद का नाम

अर्हता

सं०

(1) वैयक्तिक सहायक

(1) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की हो और हिन्दी तथा अंग्रेजी भाषा का अच्छा ज्ञान हो।

(2) हिन्दी तथा अंग्रेजी आशुलिपि में 80 शब्द प्रति मिनट की और कम्प्यूटर में हिन्दी तथा अंग्रेजी टंकण में न्यूनतम 4000 की-डिप्रेशन प्रति घण्टा।

अधिमान्यता: (1) कम्प्यूटर का कार्य साधक ज्ञान हो।

(2) कनिष्ठ सहायक

(1) माध्यमिक शिक्षा परिषद् की इन्टरमीडिएट परीक्षा या उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त कोई अन्य परीक्षा अवश्य उत्तीर्ण की हो और देवनागरी लिपि में लिखित हिन्दी का अच्छा ज्ञान हो।

(2) कम्प्यूटर में हिन्दी टंकण में न्यूनतम 4000 की-डिप्रेशन प्रति घण्टा।

अधिमानी: (1) अंग्रेजी टंकण का ज्ञान

(2) कम्प्यूटर का कार्य साधक ज्ञान

हो।

(3) कम्प्यूटर
ऑपरेटर

अनिवार्य अर्हताएँ—(1) माध्यमिक शिक्षा परिषद् उत्तराखण्ड की इन्टरमीडिएट परीक्षा या उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त कोई अन्य परीक्षा उत्तीर्ण की हो तथा किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से कम से कम 06 माह का कम्प्यूटर संचालन का कोर्स उत्तीर्ण हो।

(2) कम्प्यूटर में हिन्दी तथा अंग्रेजी टंकण में न्यूनतम 4000 की-डिप्रेशन प्रति घण्टा।

अधिमानी: (1) कम्प्यूटर पर एम0एस0 ऑफिस में कार्य करने की दक्षता।

अनिवार्य/वांछनीय अर्हता

9.

अभ्यर्थी को उत्तराखण्ड राज्य के किसी भी सेवायोजन कार्यालय में पद विज्ञापन से पूर्व से पंजीकृत होना आवश्यक है।

अधिमानी अर्हता

10.

अभ्यर्थी जिसने —

(1) प्रादेशिक सेना में कम से कम दो वर्ष सेवा की हो, या

(2) नेशनल कैडेट कोर का 'बी' अथवा 'सी' प्रमाण-पत्र प्राप्त किया हो, उसे अन्य बातें समान होते हुए भी सीधी भर्ती के मामले में अधिमान दिया जायेगा।

11.

सीधी भर्ती के पद हेतु शैक्षिक अर्हता इण्टरमीडिएट या उससे कम है उन पदों हेतु अभ्यर्थी की आयु, यदि पद 01 जनवरी से 30 जून की अवधि के दौरान विज्ञापित किये जाते हैं तो जिस वर्ष भर्ती की जाती है, उस वर्ष की 01 जनवरी को आयु सीमा 18 वर्ष और अधिक से अधिक 42 वर्ष एवं स्नातक शैक्षिक अर्हता पद हेतु आयु सीमा 21 वर्ष और अधिक से अधिक 42 वर्ष होनी चाहिये और यदि पद 01 जुलाई से 31 दिसम्बर की अवधि के दौरान विज्ञापित किये जाते हैं तो उस वर्ष की 01 जुलाई को शैक्षिक अर्हता इण्टरमीडिएट या कम हेतु आयु सीमा 18 वर्ष और अधिक से अधिक 42 वर्ष एवं स्नातक शैक्षिक अर्हता पद हेतु आयु सीमा 21 वर्ष और अधिक से अधिक 42 वर्ष होनी चाहिये परन्तु, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़े वर्ग तथा अन्य ऐसी श्रेणियों के अभ्यर्थियों के मामले में जिन्हें सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किया जाय, अधिकतम आयु उतनी बढ़ाई जायेगी, जैसा कि विहित किया जाय।

चरित्र

12.

सेवा में किसी पद पर सीधी भर्ती के लिये अभ्यर्थी का चरित्र ऐसा होना चाहिए जिससे वह सरकारी सेवा की नौकरी के लिए सर्वथा उपयुक्त हो। नियुक्ति प्राधिकारी इस विषय स्वयं समाधान करेगा।

टिप्पणी— संघ सरकार या राज्य सरकार अथवा संघ सरकार या राज्य सरकार के स्वामित्व में अथवा नियंत्रणाधीन किसी स्थानीय प्राधिकरण या निगम या निकाय द्वारा पदच्युत व्यक्ति सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के पात्र नहीं होंगे। नैतिक अधमता के अपराध से सम्बद्ध सिद्धदोष व्यक्ति भी नियुक्ति के पात्र नहीं होंगे।

वैवाहिक प्रास्थिति

13.

पुरुष, जिसकी एक से अधिक पत्नी जीवित हो अथवा ऐसी महिला जिसने ऐसे पुरुष से विवाह किया हो जिसकी पहले से ही जीवित पत्नी हो, सेवा में

किसी पद पर नियुक्ति की पात्र नहीं होगी।

परन्तु यदि सरकार का समाधान हो जाय कि ऐसा करने के लिए विशेष कारण है, तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से मुक्त कर सकेगी।

शारीरिक योग्यता

14. किसी भी ऐसे अभ्यर्थी को सेवा में किसी पद पर नियुक्त नहीं किया जायेगा, यदि वह शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं है। और किसी ऐसे शारीरिक दोष से मुक्त नहीं है, जिसके कारण उसे अपने कर्तव्यों के दक्षतापूर्वक निर्वहन में हस्तक्षेप की सम्भावना हो। किसी अभ्यर्थी को नियुक्ति के लिए अनुमोदित करने से पूर्व उससे—

(क) सेवा में सीधी भर्ती के पदों के मामले में वित्तीय हस्तपुस्तिका खण्ड II, भाग III के अध्याय III में समाविष्ट मूल नियम 10 के अधीन बनाये गये नियमों के अनुसार स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना अपेक्षित है; परन्तु पदोन्नति द्वारा नियुक्त अभ्यर्थी के लिए स्वास्थ्यता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना अपेक्षित नहीं होगा।

भाग 5—भर्ती की प्रक्रिया

रिक्तियों की अवधारणा

15. (1) नियुक्ति प्राधिकारी वर्ष के दौरान वैयक्तिक सहायक, कनिष्ठ सहायक एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर के पदों पर सीधी भर्ती द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या और नियम-6 के अधीन अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़े वर्ग तथा अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित की जाने वाली रिक्तियों की संख्या भी अवधारित करेगा और उसकी सूचना उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को देगा।

सीधी भर्ती की प्रक्रिया

16. (1) "उत्तराखण्ड(लोक सेवा आयोग की परिधि के क्षेत्र के बाहर) समूह 'ग' के पदों पर सीधी भर्ती प्रक्रिया नियमावली, 2008" समय-समय पर यथा संशोधित, के अनुसार की जाएगी तथा इन पदों पर भर्ती अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से की जाएगी।

पदोन्नति द्वारा भर्ती की प्रक्रिया

17. (1) इस सेवा के पदोन्नति के पदों पर भर्ती "उत्तराखण्ड विभागीय पदोन्नति समिति का गठन (लोक सेवा आयोग की परिधि के बाहर के पदों के लिए) (द्वितीय संशोधन) नियमावली 2012" के अनुसार गठित चयन समिति के माध्यम से की जाएगी।

संयुक्त चयन सूची

18. यदि किसी वर्ष नियुक्ति सीधी भर्ती और पदोन्नति दोनों प्रकार से की जाती है तो संगत सूचियों से नाम लेकर एक संयुक्त चयन सूची इस प्रकार तैयार की जायेगी जिससे विहित प्रतिशत बना रहे। सूची में पहला नाम पदोन्नति द्वारा नियुक्ति व्यक्ति का होगा।

भाग 6—नियुक्ति, परीक्षा, स्थायीकरण एवं ज्येष्ठता

नियुक्ति

19. (1) उपनियम (2) के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, नियुक्ति प्राधिकारी अभ्यर्थियों की नियुक्तियाँ उसी क्रम में करेगा जिसमें उनके नाम, यथास्थिति, नियम 15, 16 या 17 के अधीन तैयार की गई सूची में हों।
(2) यदि किसी एक चयन के सम्बन्ध में नियुक्ति के एकाधिक आदेश जारी किए जायें तो एक संयुक्त आदेश भी जारी किया जायेगा जिसमें व्यक्तियों के नामों का उल्लेख, यथास्थिति, चयन में यथाअवधारित या उस संवर्ग में, जिससे उन्हें पदोन्नति किया जाय, विद्यमान ज्येष्ठता—क्रम में किया जायेगा।
(3) नियुक्ति प्राधिकारी उपनियम (1) में निर्दिष्ट सूची से अस्थायी या

स्थानापन्न रूप में भी नियुक्तियाँ कर सकता है। यदि इन सूचियों का कोई अभ्यर्थी उपलब्ध न हो तो वह ऐसी रिक्ति में इस नियमावली के अधीन नियुक्ति के लिए पात्र व्यक्तियों में से नियुक्तियाँ कर सकता है। ऐसी नियुक्तियाँ एक वर्ष की अवधि या इस नियमावली के अधीन अगला चयन किए जाने तक, इनमें जो भी पहले हों, से अधिक नहीं चलेगी।

परिवीक्षा

20. (1) सेवा में किसी पद पर स्थायी रिक्ति में या उसके प्रति नियुक्त किए जाने पर प्रत्येक व्यक्ति को दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रखा जायगा।
(2) नियुक्ति प्राधिकारी ऐसे कारणों, से जो अभिलिखित किए जायेंगे, अलग-अलग मामलों में परिवीक्षा अवधि को बढ़ा सकता है, जिसमें ऐसा दिनांक विनिर्दिष्ट किया जायगा जब तक कि अवधि बढ़ाई जाय :

परन्तु आपवादिक परिस्थितियों के सिवाय परिवीक्षा अवधि एक वर्ष से अधिक और किसी भी परिस्थिति में दो वर्ष से अधिक नहीं बढ़ाई जायेगी।

(3) यदि परिवीक्षा अवधि या बढ़ाई गई परिवीक्षा अवधि के दौरान किसी भी समय या उसके अन्त में नियुक्ति प्राधिकारी को यह प्रतीत हो कि परिवीक्षाधीन व्यक्ति ने अपने अवसरों का पर्याप्त उपयोग नहीं किया है या सन्तोष प्रदान करने में अन्यथा विफल रहा है तो उसे उसके मौलिक पद पर, यदि कोई हो, प्रत्यावर्तित किया जा सकता है और यदि उसका किसी पद पर धारणाधिकार न हो तो उसकी सेवाएं समाप्त की जा सकती हैं।

(4) उपनियम (3) के अधीन जिस परिवीक्षाधीन व्यक्ति को प्रत्यावर्तित किया जाय या जिसकी सेवाएं समाप्त की जाये, वह किसी प्रतिकर का हकदार न होगा।

(5) नियुक्ति प्राधिकारी, संवर्ग में सम्मिलित किसी पद पर या किसी अन्य समकक्ष या उच्चतर पद पर स्थानापन्न या अस्थायी रूप में की गई निरन्तर सेवा को परिवीक्षा अवधि की संगणना करने के प्रयोजनार्थ गिने जाने की अनुमति दे सकता है।

स्थायीकरण

21. परिवीक्षाधीन व्यक्ति को उसकी नियुक्ति में उसकी परिवीक्षा अवधि या बढ़ाई गयी परिवीक्षा अवधि की समाप्ति पर स्थायी किया जा सकेगा यदि—
(क) उसने विहित विभागीय परीक्षा, यदि कोई हो, उत्तीर्ण कर ली है हो;
(ख) उसका कार्य और आचरण सन्तोषजनक बताया जाय ;
(ग) उसकी सत्यनिष्ठा प्रमाणित कर दी जाय, और
(घ) नियुक्ति प्राधिकारी का यह समाधान हो जाय कि वह स्थायी किए जाने के लिए अन्यथा उपयुक्त है।

ज्येष्ठता

22. (1) किसी श्रेणी के पदों पर व्यक्तियों की ज्येष्ठता उत्तराखण्ड सरकारी सेवक ज्येष्ठता नियमावली, 2002 के अनुसार निर्धारित की जाएगी।

परन्तु यदि नियुक्ति के आदेश में किसी व्यक्ति की मौलिक रूप से नियुक्ति का कोई विशिष्ट पूर्ववर्ती दिनांक विनिर्दिष्ट किया जाय तो उस दिनांक को मौलिक नियुक्ति के आदेश का दिनांक समझा जायगा, और, अन्य मामलों में, उसका तात्पर्य आदेश जारी किए जाने के दिनांक से होगा ;

परन्तु यह और कि यदि किसी एक चयन के सम्बन्ध में नियुक्ति के एकाधिक आदेश जारी किए जायें तो ज्येष्ठता वही होगी, जो नियम 18 के उपनियम (2) के अधीन जारी किए गये नियुक्ति के संयुक्त आदेश में उल्लिखित हो।

(2) किसी एक चयन के परिणाम के आधार पर सीधे नियुक्त किए गए व्यक्तियों की परस्पर ज्येष्ठता वही होगी, जो चयन समिति द्वारा अवधारित की गई हो :

परन्तु सीधे भर्ती किया गया कोई अभ्यर्थी अपनी ज्येष्ठता खो सकता है यदि किसी रिक्त पद का उसे प्रस्ताव किए जाने पर वह युक्तियुक्त कारणों के बिना कार्यभार ग्रहण करने में विफल रहे। कारण की युक्तियुक्तता के

सम्बन्ध में नियुक्ति प्राधिकारी का विनिश्चय अन्तिम होगा।

(3) पदोन्नति द्वारा नियुक्त किए गए व्यक्तियों की परस्पर ज्येष्ठता वही होगी जो उस संवर्ग में रही हो जिससे उनकी पदोन्नति की गई।

भाग-सात

वेतन इत्यादि

वेतनमान

23. (1) सेवा में विभिन्न श्रेणियों के पदों पर नियुक्त व्यक्तियों को अनुज्ञेय वेतनमान वह होगा जो सरकार द्वारा समय-समय पर अवधारित किया जाय।
(2) इस नियमावली के प्रारम्भ के समय प्रवृत्त वेतनमान परिशिष्ट "1" के अनुसार होंगे :-

परिवीक्षा के दौरान वेतन

24. (1) मूल नियमों में किसी प्रतिकूल प्राविधान के होते हुए भी परिवीक्षाधीन व्यक्ति यदि स्थायी सरकारी सेवा में नहीं है, जो उसे एक वर्ष की संतोषजनक सेवा पूरी करने, विभागीय परीक्षा में उत्तीर्ण होने और प्रशिक्षण प्राप्त करने पर, जहां विहित हो, समयमान में पृथक् वेतन वृद्धि की अनुमति प्रदान की जायेगी तथा दूसरी वेतन वृद्धि दो वर्ष की सेवा के पश्चात् परिवीक्षा अवधि पूर्ण किये जाने तथा स्थायी किये जाने पर दी जायेगी;

परन्तु उपबन्ध यह है कि यदि समाधान प्रदान करने में असफल रहने के कारण परिवीक्षा अवधि बढ़ाई जाती है तो जब तक नियुक्ति प्राधिकारी अन्यथा निर्देश न दे, ऐसी बढ़ाई गयी अवधि वेतन वृद्धि के लिए नहीं गिनी जायेगी।

- (2) परिवीक्षा के दौरान ऐसे व्यक्ति का वेतन, जो सरकार के अधीन पहले से ही पद धारण कर रहा है संगत मूल नियमों द्वारा विनियमित किया जायेगा;

परन्तु यह कि यदि समाधान प्रदान करने में असफल रहने के कारण परिवीक्षा अवधि बढ़ाई जाती है तो अंत तक नियुक्ति प्राधिकारी अन्यथा निदेश न दे ऐसी बढ़ाई गयी अवधि वेतन वृद्धि के लिए नहीं गिनी जायेगी।

- (3) परिवीक्षा के दौरान ऐसे व्यक्ति का वेतन, जो पहले से ही स्थायी सरकारी सेवा में है, राज्य के कार्यों से सम्बन्धित सामान्य सेवारत सेवकों पर लागू संगत नियमों द्वारा विनियमित किया जायेगा।

भाग 8-अन्य प्राविधान

पक्ष समर्थन

25. किसी पद या सेवा पर लागू नियमावली के अधीन अपेक्षित संस्तुति पर विचार नहीं किया जायेगा। अभ्यर्थी की ओर से अपनी अभ्यर्थिता के लिए प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से समर्थन प्राप्त करने का कोई प्रयास उसे नियुक्ति के अयोग्य कर देगा।

अन्य विषयों का विनियमन

26. ऐसे विषयों के सम्बन्ध में, जो इन नियमों या विशेष आदेशों के अन्तर्गत नहीं आते सेवा में नियुक्त ऐसे व्यक्ति राज्य के कार्यों से सम्बन्धित सेवारत सरकारी सेवकों पर साधारणतः लागू विनियमों और आदेशों द्वारा विनियमित होंगे।

सेवा शर्तों का शिथिलीकरण

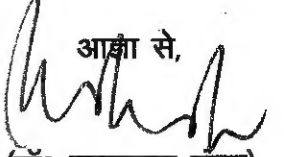
27. यदि राज्य सरकार का समाधान हो जाये कि सेवा में नियुक्त व्यक्तियों की सेवा शर्तें विनियमित करने वाले किसी नियम के प्रवर्तन से किसी विशेष मामले में अनुचित कठिनाई हो सकती है तो वे इस मामले में लागू नियमावली में किसी बात के होते हुए भी आदेश द्वारा इस सीमा तक तथा ऐसी शर्तों के अधीन इस नियम की अपेक्षाओं से अभिमुक्त कर देंगी या शिथिल कर देंगी जो वह मामले के सम्बन्ध में न्यायोचित तथा साम्यतापूर्वक कार्यवाही करने के लिए उचित समझें।

परन्तु उपबन्ध यह है कि जहां कोई नियम आयोग के परामर्श से बनाया गया

है, वहां नियम की अपेक्षाओं से अभिमुक्त करने या शिथिल करने से पूर्व आयोग से परामर्श करना होगा।

व्यावृत्ति

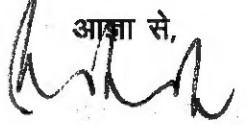
28. इस नियमावली की किसी बात का कोई प्रभाव ऐसे आरक्षण और अन्य रियायतों पर नहीं पड़ेगा जिनका इस सम्बन्ध में सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़े वर्ग तथा अन्य विशेष श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए उपबंधित किया जाना अपेक्षित हो।

आज्ञा से,

(डॉ० उमाकान्त पवार)
प्रमुख सचिव।

परिशिष्ट - 1

(नियम 3(क) और 23 देखिए)
सेवा की सदस्य संख्या और वेतनमान/ग्रेड पे

पदनाम	वेतनमान/ग्रेड पे	कुल पदों की संख्या
प्रधान सहायक	वेतनमान -2 (9300-34800) ग्रेड पे 4200	02
वरिष्ठ सहायक	वेतनमान -1 (5200-20200) ग्रेड पे 2800	02
वैयक्तिक सहायक	वेतनमान -1 (5200-20200) ग्रेड पे 2800	02
कनिष्ठ सहायक	वेतनमान -1 (5200-20200) ग्रेड पे 2000	04
कम्प्यूटर ऑपरेटर	वेतनमान -1 (5200-20200) ग्रेड पे 2000	02

आज्ञा से,

(डॉ० उमाकान्त पंवार)
प्रमुख सचिव।

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of "the Constitution of India" the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of Notification No 52/XX-6/01(07)2010, Dehradun, dated 28.8.2016 for general information.

Government of Uttarakhand

Home section-6

No. /xx-6/01(07)2010
Dehradun: Dated- August, 2016

NOTIFICATION
MISCELLANEOUS

In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the constitution of India and in supersession of all existing rules and orders on the subject, the Governor is pleased to make the following rules regulating recruitment and conditions of service of persons appointed to the Uttarakhand State Forensic Science Laboratory Subordinate Service.

**The Uttarakhand State Forensic Science Laboratory
Subordinate Service Rules 2016**

PART 1-GENERAL

**Short title and
Commencement**

1. (1) These Rules may be called "The Uttarakhand State Forensic Science Laboratory Subordinate Service Rules 2016".
(2) These rules shall come into force at once.

**Status of the
Service**

2. The Uttarakhand Government State Forensic Science Laboratory Subordinate Service is a Comprising Group 'C' and 'D' posts.

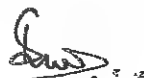
Definitions

3. In these rules unless there is anything repugnant in the subject or content, in this service rule-
 - (a) 'Appointing Authority' means Deputy Inspector General of Police/ Director Forensic Science Laboratory, Uttarakhand.
 - (b) 'Citizen of India' means a person who is or is deemed to be a citizen of India under Part II of the Constitution;
 - (c) 'Constitution' means the "Constitution of India;"
 - (d) 'Commission' means the Uttarakhand Subordinate Services Selection Commission.
 - (e) 'Government' means the State Government of Uttarakhand;
 - (f) 'Governor' means the Governor of Uttarakhand;
 - (g) 'Member of the service' means a person substantively appointed under these rules or orders in force prior to the commencement of these rules to a post in the cadre of the Service;
 - (h) 'Service' means the Uttarakhand State Forensic Science Laboratory Subordinate Services ;
 - (i) 'Substantive appointment' means an appointment, not being an ad hoc appointment, on a post in the cadre of the service and made after selection in accordance with the rules and, if there were no rules, in accordance, with the procedure prescribed for the time being by executive instruction issued by the government; and
 - (j) 'Year of recruitment' means a period of twelve months commencing from the first day of July of a calendar year.

PART 2 – CADRE

Cadre of Service

4. (1) The strength of the service and of each category of posts therein shall be such as may be determined by the Government from time to time.
(2) The Strength of the service and of each category of posts therein



shall, until Orders varying the same are passed under sub-rule (1) be as given in **Appendix-1**; Provided that-

- (i) The Appointing Authority may leave unfilled or the Governor may hold in abeyance any vacant post, without thereby entitling any person to Compensation;
- (ii) The Governor may create such additional permanent or temporary posts as he may consider proper.

PART 3 – RECRUITMENT

Source of recruitment

5. Recruitment to the various categories of posts in the service shall be made from the following sources:-

(1) Head Assistant- By Promotion from Senior Assistants appointed substantially who have completed minimum 03 years service on 1st day of the year of appointment and have completed atleast 10 years service in subordinate posts on the basis of the Seniority subject to the rejection of the unfit candidate through the departmental selection committee. (Failing which by deputation or transfer on deputation in equivalent post or pay scale working under Police Department or State Government or Central Government).

(1) Senior Assistant- By Promotion from Junior Assistant/Computer Operator appointed substantially who have completed minimum 06 years service on 1st day of the year of appointment on the basis of the Seniority subject to the rejection of the unfit candidate through the departmental selection committee. (Failing which by deputation or transfer on deputation in equivalent post or pay scale working under Police Department or State Government or Central Government).

(2) Personal Assistant – 100% by direct recruitment through commission.

(4) Junior Assistant –(1) 75% by direct recruitment on the basis of the result of competitive examination.

(2) Total 25% vacant posts will be filled up by promotion of the lowest class of the Subordinate Office Ministerial Staff by the Appointing Authority from the group 'D' staff of that office as may be notified by the Government orders from time to time, 15% who passed high school examination and 10% who passed intermediate examination.

Provided that if sufficient candidates are not available from the posts reserved for High school pass than these posts can be filled up by the promotion of the higher examination pass candidates.

Provided that for the selection year from 2012-13 to 2015-16 total 45% vacant posts by promotion through the fix selection procedure of the lowest class of the Subordinate Office Ministerial Staff from the group 'D' staff of the office, 25% who passed high school examination and 20% who passed intermediate examination.

Provided that if sufficient candidates are not available from the posts reserved for High school pass than these posts can be filled up by the promotion of the higher examination pass candidates.

(5) Computer Operator- 100% by direct recruitment through selection services commission.

Reservation

6. Reservation for the candidates belonging to Scheduled Castes, Scheduled Tribes, other backward classes and other categories belonging to the State of Uttarakhand shall be in accordance with the orders of the Government in force at the time of the recruitment.

PART 4—QUALIFICATION

Nationality

7. A candidate for direct recruitment to a post in the service must be :
- (a) A citizen of India; or.
 - (b) A Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India; or.
 - (c) A person from Indian origin has migrated from Pakistan, Myanmar, Sri Lanka or any of the East African countries of Kenya, Uganda and

the United Republic of Tanzania (formerly Tanganika and Zanzibar) with the intention of permanently settling in India:

Provided that a candidate belonging to category (b) or(c) above must be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the State Government:

Provided further that a candidate belonging to category (b) will also be required to obtain a certificate of eligibility granted by the Deputy Inspector General of Police, Intelligence Branch, Uttarankhand:

Provided also that if a candidate belongs to category (c) above, no certificate of eligibility will be issued for a period of more than one year and the retention of such a candidate in service beyond a period of one year, shall be subject to his acquiring Indian citizenship.

Note : A Candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary but the same has neither been issued nor refused, may be admitted to an examination or interview and he may also be provisionally appointed subject to the necessary certificate being obtained by him or issued in his favour.

Academic Qualification

8. A candidate for recruitment to the various posts in the service must possess the following qualifications :

Sl. No.	Name of the Post	Qualification
(1).	Personal Assistant	<p>(1) Passed graduation degree from a recognized University and good knowledge of written Devnagri script in Hindi and English language.</p> <p>(2) 80 words per minute speed in Hindi and English shorthand and minimum 4000 key depressions per hour in Hindi and English computer typing.</p> <p>Desirable:-</p> <p>1. Efficiency of working knowledge in Computer.</p>
(2)	Junior Assistant	<p>(1) Passed Intermediate Examination of Secondary Education Board or any equivalent recognized examination and good knowledge of written Hindi in Devnagri script.</p> <p>(2) Minimum 4000 key depressions per hour in computer Hindi typing.</p> <p>Desirable:-</p> <p>1. Knowledge of English Typing .</p> <p>2. Efficiency of working knowledge in Computer.</p>
(3)	Computer Operator	<p>(1) Passed Intermediate Examination of Secondary Education Board or any equivalent recognized examination and passed atleast 06 months Computer Operator Course from a recognized institute</p> <p>(2) Minimum 4000 key depressions per hour in computer Hindi and English typing.</p> <p>Desirable:-</p> <p>1. Efficiency of working knowledge in MS. Office on Computer.</p>

Essential /Desirable Qualification

9. Candidate must be registered before advertisement the post in any of the Employment Office of the Uttarakhand State.

Preferential Qualification

10. A candidate who has-
- (1) Served in the Territorial Army for a minimum period of two years, or
- (2) Obtained a "B" or "C" certificate of National Cadet Corps, shall, other things being equal, be given preference in the matter of direct

recruitment.

Age

11. A candidate for direct recruitment who possess Intermediate or less educational qualification must have attained the age of 18 years and must not have attained the age of more than 42 years and who possess Graduate educational qualification must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of more than 42 years on January 1 of the year in which recruitment is to be made, if the posts are advertised during the period January 1 to June 30 and candidate for direct recruitment who possess Intermediate or less educational qualification must have attained the age of 18 years and must not have attained the age of more than 42 years and who possess Graduate educational qualification must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of more than 42 years on July 1 if the posts are advertised during the period July 1 to December 31.

Provided that the upper age limit in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes other Backward classes and such other categories as may be notified by the Government from time to time shall be greater by such number of years as may be specified.

Character

12. The character of the candidate for direct recruitment to a post in the service must be such as to render him suitable in all respects for employment in Government Service. The appointing authority shall satisfy itself on this point.

Note: Persons dismissed by the union Government or a State Government or by a local Authority or a Corporation or Body owned controlled by the Union Government or a State Government shall be ineligible for appointment to any post in the Service. Persons convicted of an offence involving moral turpitude shall also be ineligible.

Marital status

13. A male candidate who has more than one wife living or a female candidate who has married a man already having a wife living shall not be eligible for appointment to a post in the service:

Provided that the Government may, if satisfied that there exist special grounds for doing so, exempt any person from the operation of this rule.

Physical fitness

14. No candidate shall be appointed to a post in the service unless he be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of his duties. Before a candidate is finally approved for appointment he shall be required:-

(a) In the case of direct recruitment in the service to produce a Medical Certificate of fitness in accordance with the rules framed under Fundamental rule 10, contained in chapter III of the Financial Hand Book, Volume II, Part III.

Provided that a medical certificate of fitness shall not be required from a candidate recruited by promotion.

PART V- PROCEDURE FOR RECRUITMENT

Determination of vacancies

15. The Appointing Authority shall determine the direct recruitment for the post of Personal Assistant, Junior Assistant & Computer Operator during the year and the number of vacancies to be reserved for candidates belonging to Scheduled Casts, Schedule Tribes, Other Backward Classes and Other categories under rule-6 and intimate to the Uttarakhand Subordinate Service Selection Commission.



**Procedure for
Direct Recruitment**

16. (1) Recruitment according to "The Uttarakhand Procedure for Direct Recruitment for Group 'C' Posts (outside the purview of the Uttarakhand Public Service Commission) Rules 2008" and recruitment for these post shall be made through the Subordinate Service Selection Commission.

**Procedure for
recruitment by
promotion**

17. (1) The recruitment by promotion to the posts of this service shall be made by selection committee formed according to the "The Uttarakhand Constitution of Departmental Promotion Committee (on the posts outside the purview of the Uttarakhand Public Service Commission)(Second Amendment) Rules 2012".

**Combined
selection list**

18. If in any year of recruitment appointment are made both by direct recruitment and by promotion, a combined select list shall be prepared by taking the names of candidates from the relevant lists; in such manner that the prescribed percentage is maintained, the first name in the list being of the person appointed by promotion.

PART VI- APPOINTMENT, PROBATION, CONFIRMATION AND SENIORITY

Appointment

19. (1) Subject to the provision of sub-rule (2) the appointing authority shall make appointment by taking the names of candidates in the order in which they stand in the list prepared under rules 15, 16 or 17 as the case may be.
(2) If more than one order of appointment are issued in respect of any one selection, a combined order shall also be issued, mentioning the names of the persons in order of seniority as determined in the selection or, as the case may be, as it stood in the cadre from which they are promoted.
(3) The Appointing Authority may make appointments in temporary or officiating capacity also from the list prepared under sub-rule (1). If no candidate borne on these lists is available, he may make appointments in such vacancy from amongst persons eligible for appointment under these rules. Such appointments shall not last for a period exceeding one year or beyond the next selection under these rules, whichever be earlier, and where the post is within the purview of the selection committee shall apply.

Probation

20. (1) A person on appointment to a post or Service in or against a permanent vacancy shall be placed on probation for a period of two years.
(2) The appointing authority may, for reasons to be recorded, extend the period of probation in individual cases specifying the date upto which the extension is granted.

Provided that save in exceptional circumstances, the period of probation shall not be extended beyond one year and in no circumstance beyond two years.

- (3) If it appears to the appointing authority at any time during or at the end of the period of probation or extended period of probationer has not made sufficient use of his opportunities or has otherwise failed to give satisfaction he may be reverted to his substantive post, if any, and if he does not hold a lien on any post, his services may be dispensed with.
(4) A probationer who is reverted or whose services are dispensed with under sub-rule (3) shall not be entitled to any companion.
(5) The appointing authority may allow continuous service, rendered in an officiating or temporary capacity in a post included in the cadre or any other equivalent or higher post, to be taken into account for the purpose of computing the period of probation.

Confirmation

21. A probationer shall be confirmed in his appointment at the end of the period of probation or the extended period of probation if :
(a) he has passed the prescribed departmental examination, if any.

[Signature] 5

Seniority

- (b) his work and conduct is reported to be satisfactory.
(c) his integrity is certified, and
(d) the Appointing Authority is satisfied that he is otherwise fit for confirmation.
22. (1) Except as here in after provided, the seniority of persons in any category of post shall be determined by Uttarakhand Government Service (seniority fixation) Rules 2002. If two or more persons are appointed together, by such order in which their names are arranged in the appointment order:
Provided that if the appointment order specifies a particular back date with effect from which a person substantively appointed, that date, will be deemed to be the date of order of substantive appointment and, in other case, it will mean the date of issue of the order.
Provided further that, if more than one orders of appointment are issued in respect of any one selection the seniority shall be as mentioned in the combined order of appointment issued under sub-rule (2) of rule 18.
(2) The seniority interse of persons appointed directly on the result of any one selection, shall be the same as determined by the Commission or, as the case may be, by Selection Committee:
Provided that a candidate recruited directly may lose his seniority if he fails to join without valid reasons when vacancy is offered to him.
(3) The Seniority interse of persons appointed by promotion shall be the same as it was in the cadre from which they were promoted.

PART VII- PAY ETC.

Scales of pay

23. (1) The scales of pay admissible to persons appointed to the various categories of posts in the service, whether in a substantive or officiating capacity or as a temporary measure, shall be such as may be determined by the Government from time to time.
(2) The Scales of pay at the time of the Commencement of those Rules are given in "Appendix -1".

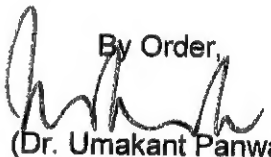
Pay during probation

24. (1) Notwithstanding any provision in the Fundamental Rules, to the contrary, a person on probation, if he is not already in permanent Government service, shall be allowed his first increment in the time scale when he has completed one year of satisfactory service, has passed departmental examination and undergone training, where prescribed, and second increment after two years service when he has completed the probationary period and is also confirmed.
Provided that, if the period of probation is extended on account of failure to give satisfaction such extension shall not count for increment unless the Appointing Authority directs otherwise.
(2) The pay during probation of a person who has already been holding a post under the Government, shall be regulated by the relevant fundamental rules;
Provided that, if the period of probation is extended on account of failure to give satisfaction, such extension shall not count for increment unless the appointing authority directs otherwise.
(3) The pay during probation of a person who was already holding a post under the Government, shall be regulated by the relevant Fundamental Rules, applicable to Government servants generally serving in connection with the affairs of the State.



PART VIII- OTHER PROVISIONS

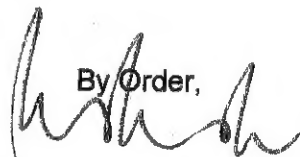
- Canvassing** 25. No recommendations, either written or oral, other than those required under the rules applicable to the post or service will be taken into consideration. Any attempt on the part of a candidate to enlist support directly or indirectly for his candidature will disqualify him for appointment.
- Regulation of other matters** 26. In regard to the matters not specifically covered by these rules or special orders, persons appointed to the service shall be governed by the rules, regulations and orders applicable generally to Government servants serving in connection with the affairs of the State.
- Relaxation from the conditions of service** 27. Where the State Government is satisfied that the operation of any regulating the conditions of service of persons appointed to the service caused undue hardship in any particular case, it may, notwithstanding anything contained in the rules applicable to the case, by order, dispense with or relax the requirements of that rule to such extent and subject to such conditions as it may consider necessary dealing with the case in a just and equitable manner:
Provided that where a rule has been framed in consultation with the Commission, that body shall be consulted before the requirements of the rule are dispensed with or relaxed.
- Saving** 28. Nothing in these rules shall affect reservation and other concessions required to be provided for the candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Other Backward Classes of citizens and other special categories or persons in accordance with the orders of the Government issued from time to time in this regard.

By Order,

(Dr. Umakant Panwar)
Principal Secretary

APPENDIX-1

[See Rule 4(2) and 23]

Sl. No.	Name of the Post	Pay Scale/Grade Pay	No. of posts
1.	Head Asistant	Pay Scale-2 (9300-34800) Grade Pay 4200	02
2.	Senior Assistant	Pay Scale-1 (5200-20200) Grade Pay 2800	02
3.	Personal Assistant	Pay Scale-1 (5200-20200) Grade Pay 2800	02
4.	Junior Assistant	Pay Scale-1 (5200-20200) Grade Pay 2000	04
5.	Computer Operator	Pay Scale-1 (5200-20200) Grade Pay 2000	02


By Order,
(Dr. Umakant Panwar)
Principal Secretary